प्रेस विज्ञप्ति

ब्रह्माकुमारी संस्था ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय मदर्ज़ डे

चण्डीगढ़, 12 मई, 2008 : नारी को समाज में फैली कुरीतियों व अपराध वृति को समाप्त करने के लिए जागृत होना होगा । दहेज प्रथा व भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराधों का सर्व विनाश करने के लिए नारी को अब दुर्गा के स्वरूप में प्रकट होना होगा, ये शब्द कल सायं यहाँ पंजाब की फाईनेंशियल कमिश्नर, सुश्री कुसुमजीत सिद्धु आई.ए.एस. ने ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, राजयोग भवन, सैक्टर 33-ए में अन्तर्राष्ट्रीय मदर डे के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में व्यक्त किये । आपने कहा कि आज इस अवसर पर मुझे यह कहते हुए हर्ष हो रहा है कि ब्रह्माकुमारी संस्था ने इस विषय को समाज के सामने ला कर नारी के स्म्मान को बढ़ाया है । आपने समाज में हो रही नारी पर जुल्मों को समाप्त करने के लिए नारी को स्वयं सशक्त होने का आह्वान किया ।

इस अवसर पर चण्डीगढ़ म्युनिसिपल कार्पोरेशन की पूर्व मेयर बहिन हरजिन्दर कौर ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि आज हमें मदर डे मनाने की जरूरत क्यों पड़ी है ? क्योंकि माँ का समाज में मान सम्मान कम होता जा रहा है । आज वह माँ जो, अपने बच्चों में राणा प्रताप, भक्त ध्रुव, बाबा फरीद आदि के संस्कार देने के निमित्त थी, जैसे कहीं खो गई है । आपने उस माँ को जो एक शक्ति है, सहनशीलता की मूर्त है को जागृत करने की आवश्यकत पर जोर दिया । आपने कहा कि माँ की तुलना भगवान से तभी की जाती है क्योंकि वह भी उसकी तरह ही मानव की रचयिता है । आपने कहा कि नारी को आज संसार का काया कल्प करना है । माँ जननी है, त्याग की मूर्त है तथा एक परिवार के सुख शान्ति का आधार है । कुछ कवियों ने तो माँ की तुलना धरती माँ से की हैतथा माँ कह कर सम्मान दिया है । आपने नेपोलियन के वे शब्द याद किये जिसमें उसने कहा था कि - मुझे एक अच्छी माँ दो मैं तुम्हें एक अच्छा राष्ट्र दूंगा ।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमार अमीर चन्द जी, जो संस्था के समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं , ने कहा किया कि आज भी सारे परिवार की रीढ़ नारी है जिस पर सारा परिवार निर्भर करता है । आज जरूरत है उसकी विशेषताओं को देख कर उन्हें समझे और उसका सम्मान करे । आपने कहा कि भगवान ने माँ को आप समान बनाया है । गृहस्थ का सारा भारबच्चों के पैदा होने से लेकर लालन पालन का सारा उत्तरदायित्व माँ पर ही होता है । इसलिए मात्र ऋण की बात प्रचलित है ।आपने कहा कि जहा नारी का सम्मान होता है वह समाज सभ्य व समृद्ध माना जाता है । इसलिए अगर हर परिवार में एक नारी को शिक्षित किया जाए तो समस्त परिवार ही शिक्षित हो जाता है ।

ब्रह्माकुमारी उत्तरा दीदी ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि नारी को देवियों के रूप में क्यों पूजा जाता है ? क्योंकि उन्होंने ऐसे विशेष कर्त्तव्य किये हैं । माँ ही घर के सुख शान्ति की जननी है । अतः समाज में माँ का स्थान सबसे ऊँचा माना गया है ।

संस्था के उत्तर क्षेत्र के प्रमुख राजयोगिनी अचल दीदी जी नेअपने आशीर्वचनों में कहा कि सतयुग में तो माँ का स्वरूप सतोप्रधान था आज भी वही संस्कार माँ में हैं वह सभी की स्नेह से निःस्वार्थ पालना करती है तथा सर्व की उन्नति की शुभ भावना रखती है । आप ने कहा कि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के संस्थापक ब्रह्मा बाबा ने नारी की विशेषताओं को पहचान व आंतरिक शक्ति को देख कर ही इस संस्था का सारा कारोबार माताओं व बहिनों के हाथों में सौंप दिया । आपने नारी को वन्देमात्रम् कह कर उनका मान बढ़ाया ।आपने आगे कहा कि अगर किसी समाज व राष्ट्र को उन्नति के शिखर पर पहुँचना है तो नारी शक्ति को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है । नारी माँ भी है तो शक्ति भी है ।

इस अवसर पर उपस्थित सभी माताओं व बहिनों से शुभ संकल्प दिलाया गया जो इस प्रकार है :

इण्टरनेशनल मदर डे के शुभ अवसर पर हम सभी आज यह शुभ संकल्प लेते हैं कि

1. **हम अपने व्यक्तिगत जीवन को आदर्श एवं समाज में ऊँच सम्मान के योग्य बनाएंगे ।**
2. **अपने परिवार के तथा समाज के हर सदस्य को एक श्रेष्ठ नागरिक बनाने में हर प्रकार का सहयोग देंगे ।**
3. **समाज में व्याप्त अन्धविश्वास, कुरीतियों, कुप्रथाओं एवं व्यसनों के उन्मूलन में संगठित होकर कार्य करेंगे ।**
4. **समूचे विश्व और विशेष भारत को फिर से देव भूमि बनाने एवं उसकी खोयी हुई प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापन करने में अपनी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे ।**
5. **विश्व व्याप्त भ्रष्टाचार तथा आसुरी वृत्तियों को जड़ से उखाड़ कर पुनः श्रेष्ठाचारी दैवी स्वराज्य की स्थापना के लिए साधनों के साथ साथ ईश्वरीय शक्ति प्राप्त कर साधना युक्त जीवन व्यतीत करेंगे ।**

बी.के. सुशील